सांध्य दैनिक
4PM

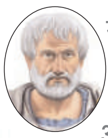

मनुष्य अपने सबसे अच्छे रूप में सभी जीवों में सबसे उदार होता है, लेकिन यदि कानून और न्याय न हों तो वह सबसे खराब बन जाता है।

-अरस्तु

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 58 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 1 अप्रैल, 2024

बोपन्ना और इबडेन ने जीता मियामी... 7 | यूपी व बंगाल में कांग्रेस कर सकती... 3 | यूपी वाले धूमधाम से विदाई भी... 2

कांग्रेस व विपक्ष का बीजेपी पर प्रहार

अध्यक्ष खरगे बोले- चुनावों को देखकर मोदी उठा रहे मुद्दे

» पीएम ने उठाया कच्चातिवु द्वीप का मामला

» विपक्ष का हमला, दस साल से कहां थी सरकार

» हताश हो गए हैं प्रधानमंत्री मोदी : खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। चुनावों सरगर्मी की तेजी के बीच मोदी सरकार, बीजेपी व कांग्रेस-विपक्ष में एक दूसरे पर वार-पलटवार तीखे दौर में पहुंच गया है। अब चुनावों में द्वीप व देश की सीमाएं भी मुद्दा बनने लगी है। जहां तमिलनाडु के कच्चातिवु द्वीप को लेकर बीजपी व पीएम मोदी ने कांग्रेस की पुरानी सरकारों पर हमला बोला वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे बीजेपी व प्रधानमंत्री पर चुनावों के दौरान जानबूझकर ऐसे संवेदशनशील व बेबुनियाद मामले उठाने का आरोप लगाया है। उधर चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के 30 स्थानों पर कब्जे के दावे पर भी सियासत गरमा गई है।

विपक्ष ने मोदी सरकार हमला करते हुए बोला है कि भाजपा सरकार के समय देश की सीमाओं पर विदेशी कब्जे बढ़ रहे हैं पर प्रधानमंत्री सिर्फ दौरे में व्यस्त हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में तमिलनाडु को ध्यान में रखकर कच्चातिवु द्वीप का मुद्दा उठाया, जबकि उनकी सरकार की विदेश नीति की विफलता के कारण नेपाल, भूटान और मालदीव जैसे मित्रवत पड़ोसियों के कारण रिश्ते बिगड़ गए। दरअसल प्रधानमंत्री मोदी ने मीडिया में आयी एक खबर के हवाले से कहा कि नए तथ्यों से पता चलता है कि कांग्रेस ने कच्चातिवु द्वीप ''संवेदनहीन'' ढंग से श्रीलंका को दे दिया था।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी, आप अपने कुशासन के 10वें वर्ष में क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर अचानक जाग गए हैं। शायद, चुनाव ही इसका कारण है। आपकी हताशा स्पष्ट है।'' उनके अनुसार, वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री मोदी ने बयान दिया था कि भारत और बांग्लादेश के बीच भूमि सीमा समझौता दिलों का मिलन है तथा यह बयान 1974 में इंदिरा गांधी की पहल की सराहना करता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि आपकी सरकार के तहत, मैत्रीपूर्ण भाव से भारत से 111 एन्क्लेव बांग्लादेश को स्थानांतरित कर दिए गए, और 55 एन्क्लेव भारत में आ गए। 1974 में मैत्रीपूर्ण भाव पर आधारित एक समान समझौता एक अन्य देश श्रीलंका के साथ कच्चातिवु पर शुरू किया गया था। चुनाव से ऐन पहले आप इस संवेदनशील मुद्दे को उठा रहे हैं, लेकिन आपकी ही सरकार के अटॉर्नी जनरल मुकुल रोहतगी ने 2014 में उच्चतम न्यायालय को बताया था कि कच्चातिवु 1974 में एक समझौते के तहत श्रीलंका गया था; आज इसे वापस कैसे लिया जा सकता है? यदि आप कच्चातिवू को वापस चाहते हैं, तो आपको इसे वापस पाने के लिए युद्ध में जाना होगा।'

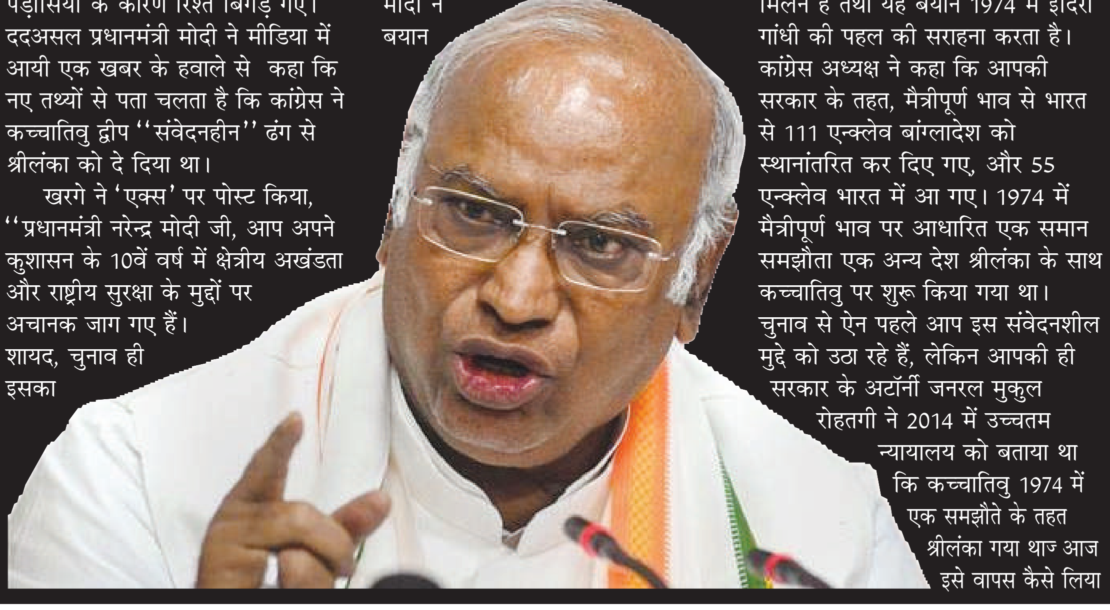

हमारे सभी नेता देश की अखंडता के लिए जिये और मरे

खरगे के मुताबिक, ''गांधी जी, पंडित नेहरू जी, सरदार पटेल जी, इंदिरा गांधी जी, राजीव गांधी जी – हमारे सभी प्रिय नेता भारत की एकता, हमारी क्षेत्रीय अखंडता के लिए जिये और मरे। सरदार पटेल जी ने 600 रियासतों को एक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।'' उन्होंने आरोप लगाया कि इसके विपरीत, प्रधानमंत्री मोदी ने गलवान घाटी में 20 बहादुरों के सर्वोच्च बलिदान के बाद चीन को क्लीन चिट दे दी। कांग्रेस अध्यक्ष ने कटाक्ष करते हुए कहा, ''जो बात आंखें खोलने वाली और चौंका देने वाली है, वह यह है कि आपने नेपाल, भूटान और मालदीव जैसे मित्रवत पड़ोसियों के साथ स्थिति को कैसे बिगाड़ा। इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि आपकी विदेश नीति की विफलता के कारण पाकिस्तान ने रूस से हथियार खरीदे।''

कच्चातिवु द्वीप को सिरदर्द मानते थे पंडित नेहरू : एस. जयशंकर

कच्चातिवु मुद्दे पर विदेश मंत्री और भाजपा नेता डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि हम जानते हैं कि यह किसने किया, यह नहीं पता कि इसे किसने छुपाया... हमारा मानना है कि जनता को यह जानने का अधिकार है कि यह स्थिति कैसे उत्पन्न हुई., कच्चातिवु मुद्दे पर जयशंकर ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्रियों ने भारतीय क्षेत्र के प्रति उदासीनता दिखायी, उन्हें कोई परवाह ही नहीं थी। द्रमुक ने कच्चातिवु को श्रीलंका को सौंपने पर सवाल उठाए, उसने दावा किया कि तमिलाडु सरकार से विचार-विमर्श नहीं किया गया, जबकि सच्चाई यह है कि उसे इसकी पूरी जानकारी दी गयी थी। उन्होंने कहा कि पंडित नेहरू ने इस मुद्दे को एक सिरदर्द के रूप में देखा।

चीन ने फिर अरुणाचल प्रदेश पर ठोका अपना दावा

चीन की ग्लोबल टाइम्स ने एक रिपोर्ट में बताया कि चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने अरुणाचल प्रदेश की 30 जगहों के नाम बदलने को लेकर चौथी लिस्ट जारी की है। मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक अरुणाचल प्रदेश के अंदर की 30 जगहों के नाम बदले गए हैं। रिपोर्ट में बताया कि ये आदेश 1 मई से लागू करने के लिए अनुच्छेद 13 में प्रावधान किया गया है। हालांकि, भारत ने चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने की बात को खारिज किया है। भारत ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश देश का अभिन्न हिस्सा है और उसका नाम बदल देने से इस वास्तविकता में कोई बदलाव नहीं आएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये आदेश 1 मई से लागू करने के लिए अनुच्छेद 13 में प्रावधान किया गया है। चीन के क्षेत्रीय दावों और संप्रभुता के अधिकारों को नुकसान पहुंचाने वाले हैं।

केजरीवाल को झटका, न्यायिक हिरासत 15 अप्रैल तक बढ़ी

विशेष न्यायाधीश ने दिया आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शराब नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजा दिया है। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख केजरीवाल को खचाखच भरे अदालत कक्ष में विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष पेश किया गया। ईडी ने अदालत से केजरीवाल को 15 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेजने की मांग करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने पूछताछ के दौरान 'बिल्कुल सहयोग नहीं किया।

प्रवर्तन निदेशालय ने कोर्ट में कहा कि है केजरीवाल का आचरण असहयोगात्मक रहा है और वह गोलमोल जवाब दे रहे हैं, जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं, भविष्य में हमें हिरासत की आवश्यकता पड़ सकती है.

केजरीवाल ने डिजिटल डिवाइस के पासवर्ड नहीं दिए हैं। इसके बाद न्यायाधीश ने उन्हें 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। संघीय जांच एजेंसी ने मामले में 21 मार्च को केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। अगले दिन, विशेष न्यायाधीश बवेजा ने उन्हें 28 मार्च तक ईडी की हिरासत में भेज दिया था. इसके बाद, अदालत ने ईडी की उस याचिका को स्वीकार कर लिया था, जिसमें उनकी रिमांड को चार दिन बढ़ाकर एक अप्रैल तक करने का अनुरोध किया गया था।

सीएम ने जेल के अंदर किताबों की मांग की

केजरीवाल के वकील ने जेल में कुछ जरूरी दवाएं और तीन किताब उपलब्ध कराने की मांग की है। तीन किताबें जिनकी मांग की है उनके नाम इसके प्रकार हैं रामायण, महाभारत और हाऊ प्राइम मिनिस्टर डिसाइड(पत्रकार नीरजा चौधरी द्वारा लिखित) अरविंद केजरीवाल ने बीमारी के मद्देनजर जेल के अंदर स्पेशल डाइट की मांग भी की है। वहीं कोर्ट ने जेल भेजने से पहले अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल, मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज को केजरीवाल से मिलने की इजाज़त दी।

इनकम टैक्स मामले में कांग्रेस को सुप्रीम राहत

» 24 जुलाई तक नहीं होगी कार्रवाई, कोर्ट में आईटी विभाग का आश्वासन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इनकम टैक्स रिकवरी के खिलाफ कांग्रेस को बड़ी राहत मिली है. सुप्रीम कोर्ट में सोमवार (1 अप्रैल) को कांग्रेस की उस याचिका पर सुनवाई हुई, जो उसने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के नोटिस के खिलाफ दायर की थी। सुनवाई के दौरान डिपार्टमेंट ने आश्वासन दिया कि फिलहाल इस मामले पर कोई एक्शन नहीं लिया जाएगा। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने सभी पक्षों की बात सुनते हुए इस मामले पर सुनवाई 24 जुलाई तक टाल दी।

सुनवाई के दौरान इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की तरफ से सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता पेश हुए, उन्होंने कहा कि हम नहीं चाहते कि किसी पार्टी को चुनाव लड़ने में समस्या हो।

इनकम टैक्स का रवैया बहुत उदार : सिंघवी

इस पर कांग्रेस की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि मैं निःशब्द हो जाता हूं और ऐसा बहुत कम बार होता है। मुझे कहना पड़ेगा कि इनका रवैया बहुत उदार है। वहीं, जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि हम इस मामले पर 24 जुलाई को सुनवाई करेंगे। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के बयान के मद्देनजर सुनवाई को टाला जा रहा है। अदालत ने कहा कि इस याचिका के विरोध में अपनी दलीलें रखने के लिए बाद में उन्हें पूरा अवसर मिलेगा।

यूपी वाले धूमधाम से विदाई भी करते हैं : अखिलेश

ब्रह्मांड की सबसे झूठी पार्टी है बीजेपी

» बोले- भाजपा सत्ता में अब ज्यादा दिन नहीं रहेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इंडिया गठबंधन की महारैली में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने जमकर बीजेपी पर हमला बोला। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा, ये रामलीला मैदान ऐतिहासिक मैदान है और जब हम लोग यहां एकत्रित हुए हैं और एकसाथ खड़े हुए हैं तो इस मैदान से ये ऐलान होने वाला है कि सत्ताधारी जो दिल्ले में बैठे है वो अब ज्यादा दिन नहीं रहेंगे। आज हम दिल्ली आए हैं।

सपा मुखिया ने कहा कि ये लोग(भाजपा) जो 400 पार का नारा दे रहे हैं, अगर आपके 400 पार हो रहे थे तो आम आदमी पार्टी के नेता से आपको घबराहट किस बात की है?... मैं तो उस उत्तर प्रदेश से आता हूं जहां के लोगों ने भाजपा को मौका दिया और उनका स्वागत किया लेकिन याद रहे कि उत्तर प्रदेश के लोग जो स्वागत करते हैं वो धूम-धाम से विदाई भी करते हैं... आपने चुने हुए लोगों और मुख्यमंत्रियों को जेल भेज दिया। सुना है दिल्ली वाले आज दिल्ली से बाहर गए हैं। दिल्ली से जो आज बाहर जा रहे हैं वो हमेशा-हमेशा के लिए बाहर जा रहे हैं। जिस लोकतंत्र के लिए दुनिया में भारत का सम्मान होता था, आज उसी भारत की दुनिया में किसी ने सबसे ज्यादा थूं-थूं करवाई है तो वो भाजपा के लोगों ने करवाई है,

देश में है अघोषित इमरजेंसी : तेजस्वी

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री व राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा, कि हम लोगों ने पहली रैली पटना में की, दूसरी मुंबई में की और तीसरी दिल्ली में। देश के कोने-कोने में जहां भी हम जा रहे हैं, वहां जनता का साथ मिल रहा है... जिस हिसाब से देश को बांटने का काम किया जा रहा है... नफरत की राजनीति की जा रही है, हम चाहते हैं कि इस लड़ाई में हमें आपका साथ मिले, जो लोग नारा लगाते हैं कि अबकी बार 400 पार, उनका मुंह है, कुछ भी बोलेंगे लेकिन एक बात तय है कि जनता ही मालिक है, वे(भाजपा) लोग नारा लगा रहे हैं तो ऐसा लग रहा है कि पहले से ही ईवीएम सेटिंग हो चुकी है, देश में आघोषित इमरजेंसी लागू हो चुकी है, देश में सबसे बड़ा कोई दुश्मन है तो बेरोजगारी है, महंगाई है, गरीबी है, प्रधानमंत्री मोदी ने कोई नौकरी नहीं दी, सब कुछ का नीजिकरण कर दिया, हम लोगों ने बिहार में 17 महीने में 5 लाख नौकरी देने का काम किया। आज किसान तबाह हैं, युवा परेशान हैं लेकिन प्रधानमंत्री मोदी को किसानों से मिलने का समय नहीं है। मोदी जी मिलेंगे तो प्रियंका चोपड़ा से मिलेंगे, किसानों से नहीं मिलेंगे।

इनके 10 साल का कार्यकाल आप देखोगे तो ये ब्रह्मांड की सबसे झूठी पार्टी है। ये 400 पार नहीं 400 हारने जा रहे हैं। ईडी, सीबीआई से डराकर सबसे ज्यादा चंदा वसूलने का काम अगर किसी ने किया है तो वो भाजपा ने किया है।

संवैधानिक मूल्यों को तहस-नहस किया : कल्पना

झारखंड मुक्ति मोर्चा नेता और पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने कहा, कि यहां उमड़ा जल सैलाब इस बात की गवाही दे रहा है कि लोकतंत्र को खत्म करने के लिए जिस तरीके तानाशाह ताकतों ने अपने कदम बढ़ाएं हैं उसका अंत करने के लिए यह सभा आज आयोजित हुई है। आज भारत में बाबा साहेब के संविधान से प्राप्त जिनती गारंटियां से उसे मोदी सरकार द्वारा खत्म किया जा रहा है, इन्होंने हमारे संवैधानिक मूल्यों को तहस-नहस किया है। आपको (जनता) अपने वोट का चुनाव सही रूप से करना होगा।

माफी मांगें नकुल नाथ : मोहन यादव

» कांग्रेस छोड़ने वाले विधायक को 'गद्दार' कहने पर बरसे सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने हाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए अमरवाड़ा के विधायक कमलेश शाह के बारे में टिप्पणी के लिए छिंदवाड़ा के मौजूदा सांसद और कांग्रेस उम्मीदवार नकुल नाथ से माफी की मांग की। नकुल नाथ ने शनिवार को छिंदवाड़ में रैली को संबोधित करते हुए शाह को 'गद्दार' कहा था। मुख्यमंत्री यादव ने नाथ के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि दुर्भाग्यवश कांग्रेस के नेता अपने बेटों को नेता बनाने के लिए जोर लगा रहे हैं।

यादव ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ के बेटे नकुल नाथ ने गोंड आदिवासी नेता शाह को गद्दार कहकर सही नहीं किया। कमलनाथ के करीबी शाह इस सप्ताह की शुरुआत में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के छिंदी गांव में जनसभा में नकुल नाथ ने कहा था कि आदिवासी लोग आमतौर पर सादे और विनम्र होते हैं, लेकिन अमरवाड़ा की जनता ने जिस व्यक्ति को विधायक चुना था वह गद्दार निकला।

सोनिया-राहुल व पायलट बने स्टार प्रचारक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश में लोकसभा चुनावों को लेकर सियासी सरगर्मी बढ़ी हुई है। इस बीच, कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश के लिए स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इस लिस्ट में मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, डीके शिवकुमार, दिग्विजय सिंह, सचिन पायलट और अन्य शामिल हैं। कांग्रेस ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, लोकसभा आम चुनाव का पहला चरण जो 19 अप्रैल 2024 से निर्धारित है उसके लिए प्रदेश के स्टार प्रचारकों की सूची निम्नलिखित है। सभी नेतागणों को बहुत-बहुत बधाई। आपके मार्गदर्शन में प्रदेश इस बार जीत के सारे रिकॉर्ड तोड़ेगा और इंडिया गठबंधन सरकार बनाने का विजय मार्ग प्रशस्त करेगा।

लोकसभा आम चुनाव का पहला चरण जो 19 अप्रैल 2024 से निर्धारित है उसके लिए प्रदेश के स्टार प्रचारकों की सूची निम्नलिखित है। सभी नेतागणों को बहुत बहुत बधाई। आपके मार्गदर्शन में प्रदेश इस बार

जीत के सारे रिकॉर्ड तोड़ेगा और इंडिया गठबंधन सरकार बनाने का विजय मार्ग प्रशस्त करेगा।

11 जिलाध्यक्ष एवं 10 महानगर अध्यक्ष बने

कांग्रेस ने प्रदेश के 11 जिलाध्यक्ष और 10 महानगर अध्यक्षों की नए सिरे से नियुक्ति की है। पार्टी के प्रमुख महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सूची जारी की। लखनऊ महानगर प्रथम का अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी और द्वितीय का अध्यक्ष शहजाद आलम को बनाया गया है। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के बाद नया प्रयोग किया और लखनऊ महानगर में दो अध्यक्षों की तैनाती की। इसमें दिलप्रीत सिंह और अजय श्रीवास्तव अज्जू को जिम्मेदारी सौंपी गई। दोनों विधानसभा चुनाव लड़े और फिर भाजपा में चले गए। अब इन दोनों खाली पद पर नए सिरे से तैनाती की गई है।

अबकी बार बीजेपी को रोकना होगा : उद्धव

» बोले- एक पार्टी और एक व्यक्ति की सरकार देश के लिए हानिकारक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना यूबीटी के नेता उद्धव ठाकरे ने बीजेपी व मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा उन्होंने कहा कि ऐसी सरकार जो किसानों को आतंकी मानती है, उन्हें दिल्ली आने से रोकती है, ऐसी सरकार को दिल्ली में आने से रोकना होगा। उन्होंने कहा कि एक पार्टी और एक व्यक्ति की सरकार देश के लिए हानिकारक है।

इसे हटाना जरूरी है। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि अब उनका (बीजेपी का) सपना 400 (सीटें) पार करने का है। अब

समय आ गया है कि एक पार्टी और एक व्यक्ति का सरकार को जाना होगा। हम यहां चुनाव प्रचार के लिए नहीं हैं, हम यहां लोकतंत्र की रक्षा के लिए हैं। भाजपा ने उन लोगों को धोया, जिन पर उन्होंने कभी भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। उन्होंने उन्हें वॉशिंग मशीन में धोया और उन्हें साफ कर दिया। कैसे भ्रष्टाचारियों से भरी पार्टी सरकार चला रही है? ऐसी पार्टी यानी भाजपा इस रैली को ठगों की रैली कह रही है।

देश किसी के बाप की जागीर नहीं : मान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा, कि देश का लोकतंत्र खतरे में है ये देश किसी के बाप की जागीर नहीं है। ये 140 करोड़ लोगों का देश है... ये(भाजपा) क्या समझते हैं, इसको भी अंदर खत्म कर दो, उसको भी अंदर कर दो, ये नेता फ्रीज़ कर दो, क्या आप ऐसे जीत जाएंगे?... हुकूमत वो करते हैं जिनका दिलों पर राज होता है, यूं कहने पर तो मुर्गों के सिर पर ताज होता है... मैं नमस्कार करता हूं कि इन्होंने(कल्पना सोरेन और सुनीता सोरेन) इतने दुख झेले, इन्होंने क्या-क्या नहीं देखा... अरविंद केजरीवाल को तो आप(भाजपा) गिरफ्तार कर लेंगे लेकिन आप उनकी सोच को कैसे गिरफ्तार करेंगे? अरविंद केजरीवाल कोई व्यक्ति नहीं है, अरविंद केजरीवाल सोच का नाम है।

मैं सपा नहीं, गठबंधन की विधायक : पल्लवी

» पीडीएम नाम से बनाया मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपना दल (कमेरावादी) की नेता और सपा विधायक पल्लवी पटेल ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के साथ मिलकर नया गठबंधन बना लिया है। इस नए सियासी गठबंधन को पिछड़ा, दलित, मुस्लिम न्याय मोर्चा (पीडीएम) नाम दिया गया है। इस गठबंधन में प्रगतिशील मानव समाज पार्टी और राष्ट्र उदय पार्टी भी शामिल हैं। इस नए गठबंधन को सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की काट की तौर पर देखा जा रहा है। पल्लवी और ओवैसी ने इसका एलान किया।

सपा का नाम लिए बगैर पल्लवी ने कहा कि पीडीए में ए अक्षर को लेकर भ्रम की स्थिति

थी। इस भ्रम को दूर करने के लिए हमने अपने गठबंधन को पीडीएम नाम दिया है और इसमें जातियों के नाम स्पष्ट किए हैं। सपा रिश्ता खत्म होने के बाद विधायकी से इस्तीफा देने के सवाल पर पल्लवी ने कहा कि मैं सपा की विधायक नहीं हूं, बल्कि गठबंधन से विधायक हूं। अलबत्ता उनसे इस्तीफा मांगने या निकालने का अधिकार सपा अध्यक्ष के पास है। वह इस्तीफा मांग लें या मुझे निकाल दें। कर लें जो करना है, लेकिन अब पीडीएम झुकने वाला नहीं है।

यूपी व बंगाल में कांग्रेस कर सकती है उलटफेर!

उत्तर प्रदेश में मुख्तार की मौत का पड़ सकता है असर

- टीएमसी बीजेपी को मात देने की तैयारी में
- नेताओं की नाराजगी से दो चार हो रहे सियासी दल
- मुस्लिम वोटों को एक तरफ जाने की आशंका
- भाजपा की आंतरिक कलह से टीएमसी की उम्मीदें बढ़ीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोक सभा चुनाव सिर पर हैं। सियासी दल अपनी-अपनी रणनीति पर काम करने लगे हैं। बंगाल, यूपी से लेकर महाराष्ट्र में सता में बैठी बीजेपी को गद्दी से उतारने की पुरजोर कोशिश में विपक्षी दल लगे हुए हैं। धर्म, मंदिर के सहारे 24 का चुनावी बेरा पार करने की जुगाड़ में लगी भाजपा के लिए इसबार राह आसान नहीं लग रही है। सियासी जानकारों का मानना है कि यूपी व बंगाल में बीजेपी को इसबार ज्याद मेहनत करनी पड़ सकती है। इन दोनों राज्यों में मुस्लिम जनसंख्या अच्छी-खासी है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि मुस्लिमों का मत इसबार कांग्रेस में जा सकता है ऐसे में अगर कांग्रेस ने जनता को अपनी ओर मोड़ लिया तो भाजपा को इसबार के आमचुनाव में इन दोनों राज्यों से सीटें बढ़ाना तो दूर पुरानी संख्या को बरकरार रखना मुश्किल हो जाएगा। सुनने में आ रहा है बंगाल में कई जगह बीजेपी को अंतरकलह से जूझना पड़ रहा है ऐसे में टीमसी को इसका लाभ मिल सकता है। वहीं यूपी के पूर्वांचल में माफिया मुख्तार अंसारी की मौत के बाद से वहां की सीटों पर बीजेपी को नुकसान हो सकता है। खैर 4 जून को ही पता चलेगा कि ऊंट किस करवट बैठता है।

अब तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मजबूत गढ़ माने जाने वाले अलीपुरद्वार लोकसभा निवार्चन क्षेत्र को लेकर पार्टी की अंदरूनी कलह का लाभ उठाकर तृणमूल कांग्रेस इस सीट पर एक दशक बाद अपनी दूसरी जीत दर्ज करने की जुगत में दिख रही है। भाजपा नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को लागू किए जाने को भुनाने की तैयारी में नजर आ रही है। भाजपा अब भी सीएए को बाजी पलटने वाला मुद्दा मान रही है। तृणमूल कांग्रेस एक दशक के बाद इस निर्वाचन क्षेत्र में अपनी जीत हासिल करने के लिए भाजपा के भीतर आतंरिक कलह को अवसर के रूप में देख रही है। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लागू करने और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा स्थानीय आदिवासियों के बीच जमीनी स्तर पर किए गए काम के वादे पर सवार होकर भाजपा ने अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित इस सीट पर न केवल 2019 में जीत दर्ज की बल्कि 2021 में क्षेत्र के सभी सात विधानसभा क्षेत्रों पर कब्जा जमाया। पार्टी ने निकटवर्ती जिलों की दो विधानसभा सीट भी जीती थीं। हालांकि, इस बीच बहुत कुछ बदल गया लगता है क्योंकि भाजपा की स्थानीय इकाई के भीतर आंतरिक कलह तब तेज हो गई जब पार्टी ने अपने मौजूदा सांसद और केंद्रीय मंत्री जॉन बारला की जगह स्थानीय विधायक और पश्चिम बंगाल विधानसभा में मुख्य सचेतक मनोज तिग्गा को इस सीट से उतारने का फैसला किया। स्थानीय जनजातियों पर प्रभाव रखने वाले अल्पसंख्यक समुदाय के नेता बारला टिकट कटने के बाद से चुनाव अभियान से दूरी बनाए हुए हैं। बारला ने आरोप लगाया है कि उन्हें चुनाव से बाहर रखने के लिए साजिश रची गई है। भाजपा ने 2019 में 2.5 लाख वोटों के रिकॉर्ड अंतर से यह सीट जीती थी। पार्टी ने उस साल उत्तर बंगाल की आठ लोकसभा सीट में से सात पर जीत हासिल की थी। तिग्गा ने कहा, इस बार भी हम रिकॉर्ड अंतर से सीट जीतेंगे। यहां के लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके द्वारा किए गए विकास कार्यों के लिए वोट करते हैं। सीएए लागू होने से भी क्षेत्र में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

अल्पसंख्यकों की महत्वपूर्ण भूमिका

अलीपुरद्वार में चुनाव के नतीजों में अल्पसंख्यकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जहां स्थानीय आबादी में 65 फीसदी हिंदू हैं, जबकि 19 फीसदी ईसाई हैं, 11 फीसदी मुस्लिम और तीन फीसदी बौद्ध हैं। राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने 2019 में भाजपा की जीत का श्रेय हिंदुओं और ईसाइयों, दोनों के बीच बारला की पैठ को दिया। इस बार उनके मैदान से बाहर होने पर पर्यवेक्षकों का मानना है कि बारला के समर्थकों के दूरी बनाने से भाजपा की संभावनाएं प्रभावित हो सकती हैं। टीएमसी चुनावी माहौल को अपने पक्ष में करने के लिए अपने जिला अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य प्रकाश चिक बड़ाइक की लोकप्रियता पर भरोसा कर रही है। बड़ाइक ने कहा, हमें यह सीट जीतने का भरोसा है क्योंकि राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए विकास कार्यों का लाभ यहां के लोगों तक पहुंचा है। टीएमसी नेता सौरव चक्रवर्ती ने दावा किया, भाजपा ने पिछली बार एनआरसी और सीएए के वादे के भरोसे लोगों का विश्वास अर्जित किया था। असम में एनआरसी के अनुभव ने अब उनका भ्रम तोड़ दिया है। उन्हें यह भी एहसास हो गया है कि सीएए के नियम एक दिखावे से ज्यादा कुछ नहीं हैं। एक समय जलपाईगुड़ी-अलीपुरद्वार क्षेत्र वाम मोर्चे की सहयोगी रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) का गढ़ हुआ करता था। कांग्रेस समर्थित आरएसपी उम्मीदवार मिली ओरांव ने कहा, मुझे अपनी पार्टी का गढ़ फिर से हासिल करने का भरोसा है। लोगों ने वामपंथियों और अन्य के बीच के अंतर को देख लिया है।

मौत की स्वतंत्र जांच होनी चाहिए: ओवैसी

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी की मौत की स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह इस तरह की दूसरी घटना है जिसमें एक दोषी कैदी की न्यायिक हिरासत में मौत हुई है। ओवैसी ने यहां संवाददाताओं से बात करते हुए अंसारी के परिवार के सदस्यों के इस आरोप का हवाला दिया कि उन्हें धीमा जहर दिया गया। उन्होंने कहा, एक उपयुक्त स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। परिवार जो कुछ कह रहा है, उसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें ऐसी दूसरी घटना देखने को मिली है जिसमें एक दोषी कैदी की न्यायिक हिरासत में मौत हुई है। पहली घटना गोलीबारी की है। अब, इस घटना में, परिवार का कहना है कि धीमा जहर दिया गया। इस तरह की पहली घटना के बारे में ओवैसी की

टिप्पणी गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के बारे में थी। अज्ञात हमलावरों ने 2023 में प्रयागराज में एक मेडिकल कॉलेज के पास उनकी गोली मारकर हत्या कर दी थी। मुख्तार के बेटे उमर अंसारी ने आरोप लगाया कि जेल में उनके पिता को धीमा जहर दिया गया था। हालांकि, अधिकारियों ने इस आरोप से इनकार किया है।

अंसारी की मौत पर भाजपा व विपक्षी दलों में बहस

गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी की मौत को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना करने पर विपक्षी दलों पर पलटवार करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के लिए उनकी हर मुद्दे को भावनात्मक रूप से भुनाने की आदत है। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने जहां विपक्षी दलों पर निशाना साधा, वहीं अंसारी के इशारे पर मारे गए विधायक कृष्णानंद राय की पत्नी और भाजपा नेता अलका राय ने उनकी मौत को दैवीय न्याय करार दिया। उन्होंने कहा, मुझे हमेशा भगवान पर पूरा भरोसा था। उनके पुत्र पीयूष राय ने राज्य की मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी समेत कुछ विपक्षी दलों के इस आरोप को खारिज कर दिया कि अंसारी की मौत के पीछे साजिश थी। उन्होंने कहा कि यह आरोप गलत है और तुष्टिकरण की राजनीति के कारण

यह लगाया गया है। उन्होंने कहा, वे (आलोचक) अपराधी में धर्म ढूंढ रहे हैं। उनकी मां ने कहा कि अंसारी के अपराध के पीड़ित और उनके परिवार उसके अंत से खुश होंगे। अलका राय पूर्व में भाजपा के टिकट पर उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए निर्वाचित हुई थीं। भाजपा ने गाजीपुर लोकसभा सीट के लिए अभी अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है, जहां से वर्तमान में अंसारी के भाई अफजाल अंसारी सांसद हैं। नकवी ने अपनी प्रतिक्रिया में विपक्षी दलों पर उनकी मौत पर राज्य प्रशासन के बयान के बावजूद सांप्रदायिक जहर फैलाने का आरोप लगाया।कई बार विधायक रह चुके मुख्तार अंसारी के आपराधिक अतीत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उनके इतिहास को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि वह जिस क्षेत्र से आए थे, वह वामपंथियों का गढ़ हुआ करता था लेकिन अपराधियों का गढ़ बन गया।कई मामलों में दोषी ठहराए गए अंसारी का बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश के बांदा के एक अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था।अंसारी को जिला जेल से जब बांदा के रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज लाया गया था, तब वह बेहोशी की हालत में थे और अस्पताल के प्राचार्य सुनील कौशल के अनुसार दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत हो गई।समाजवादी पार्टी के नेता शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि अदालत को अंसारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का संज्ञान लेना चाहिए।बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि अंसारी की मौत के संबंध में उनके परिवार के आरोपों की उ'चस्तरीय जांच की जरूरत है, ताकि तथ्यों को सामने लाया जा सके।

मुख्तार का 4 लोकसभा और एक दर्जन विधानसभा सीटों पर असर

अंसारी परिवार का लोकसभा की 4 और विधानसभा की करीब एक दर्जन सीटों पर सीधा दबदबा है। लोकसभा की जिन सीटों पर अंसारी परिवार का वर्चस्व है, उनमें गाजीपुर, वाराणसी, घोषी और बलिया जैसी सीटें शामिल हैं। गाजीपुर से मुख्तार के बड़े भाई अफजाल अंसारी 2 बार सांसद रह चुके हैं। तीसरी बार उन्हें समाजवादी गठबंधन ने मैदान में उतारा है, 2019 में अफजाल गाजीपुर सीट से मोदी सरकार के कद्दावर मंत्री मनोज सिन्हा को हराकर संसद पहुंचे थे। 2009 में मुख्तार अंसारी ने वाराणसी सीट से ताल ठोका था, लेकिन बीजेपी के मुरली मनोहर जोशी ने उन्हें 20 हजार वोटों से हरा दिया। मुख्तार घोषी सीट से भी 2014 में चुनाव लड़ चुके हैं। यहां उन्हें 1 लाख 66 हजार वोट मिले थे। बात विधानसभा सीटों की करें तो मुख्तार परिवार का गाजीपुर की 4, मऊ की 2, बलिया की 2 और वाराणासी की 2 सीटों पर दबदबा रहा है। वर्तमान में मुख्तार परिवार के सुहैब अंसारी और अब्बास अंसारी विधायक हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

'विलंबित न्याय' अन्याय से कम नहीं

> कभी-कभी फैसला आने में सालों लग जाते हैं। हालांकि इस तरह की समस्याओं को खत्म करने के लिए मुख्य न्यायधीश से लेकर सरकार तक संज्ञान लेकर नियम कानून बनाती रहती है ताकि अम जन को त्वरित न्याय मिल जाए। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ व प्रधानमंत्री मोदी न्यायिक में तेजी लाने के लिए तकनीकी और डिजिटिलाइजेशन पर जोर दे रहे हैं।

कोर्ट की भाषा में कहा जाता देर से मिलने वाला न्याय अन्याय की तरह ही होता है। चूकि भारत में न्यायिक प्रक्रिया बहुत लंबी है। अमूमन देखने में आया है भारत में मुकदमें इतने लंबे चलते हैं कि वादी, प्रतिवादी मर जाते हैं और मुकदमें का फैसला तक नही आता है। कभी-कभी फैसला आने में सालों लग जाते हैं। हालांकि इस तरह की समस्याओं को खत्म करने के लिए मुख्य न्यायधीश से लेकर सरकार तक संज्ञान लेकर नियम कानून बनाती रहती है ताकि अम जन को त्वरित न्याय मिल जाए। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ व प्रधानमंत्री मोदी न्यायिक में तेजी लाने के लिए तकनीकी और डिजिटिलाइजेशन पर जोर दे रहे हैं। दरअसल, गत दिनों बयालीस साल बाद एक फैसला आया था जिसके बाद से बहस शुरू हो गई थी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले के एक छोटे से गांव साधुपुरा में 42 साल पहले एक मां की आंखों के सामने उसके तीन बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी।

हत्यारे पकड़े गये थे। मुकदमा भी चला। पर आरोपियों को सजा देने में बयालीस साल लग गये। तीनों हत्यारों में से दो की मौत तो मुकदमा चलने के दौरान ही हो गयी थी। तीसरे को अब सजा मिली है! उम्रकैद की सजा। बच्चों पर गोली चलाने वाला गंगा दयाल अब नब्बे वर्ष का हो चुका है। पता नहीं कितने साल जेल में रहेगा। रहेगा भी या नहीं। आंखों के सामने बच्चों को गोली से तड़पते हुए मरता देखने वाली अभागी मां प्रेमवती भी अब नब्बे साल की है। तीनों गोली चलाने वाले नृशंस अपराधी तब यह कह कर घटनास्थल से चले गये थे कि 'चलो, काम खत्म हुआ! तब भले ही उन अपराधियों का काम खत्म हो गया हो, पर नब्बे वर्षीय मां को न्याय मिलने का काम अब भी खत्म नहीं हुआ है। यह सही है कि तीन हत्यारों में से जीवित बचे एक हत्यारे को न्यायालय ने उम्रकैद की सजा सुनायी है, पर घटना के बयालीस साल बाद मिली इस सजा को क्या सचमुच सजा कहा जा सकता है? और क्या यह विलंब से मिला न्याय सचमुच न्याय कहा जा सकता है? नहीं, न यह सजा पूरी है और न यह न्याय। सच बात तो यह है कि किसी भी मामले में न्याय मिलने में इतना विलंब होने का मतलब हमारी पूरी न्याय-व्यवस्था के औचित्य पर एक सवालिया निशान लगना है। यह सवाल सिर्फ हमारी न्याय- व्यवस्था पर ही नहीं लगा। जब हम यह देखते हैं कि बयालीस साल बाद में मिले इस न्याय के औचित्य को लेकर देश में कहीं कोई हलचल नहीं है तो समाज की संवेदनशीलता भी सवालों के घेरे में आ जाती है। इस संदर्भ में मीडिया की उदासीनता भी परेशान करने वाली है। उस दिन आठ अखबारों में से सिर्फ एक अखबार में 'विलंबित न्याय' का यह समाचार मुझे दिखा था। न ही, किसी समाचार-चैनल ने इस विषय पर बहस करने की आवश्यकता महसूस की।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बूंद-बूंद सहेजने की मानसिकता बनाए देश

पंकज चतुर्वेदी

इस बार भी अनुमान है कि मानसून की कृपा देश पर बनी रहेगी। ऐसा बीते दो साल भी हुआ उसके बावजूद बरसात के विदा होते ही देश के बड़े हिस्से में बूंद-बूंद के लिए मारामारी शुरू हो जाती है। मानना चाहिए कि जल स्रोत तो बारिश ही है और जलवायु परिवर्तन के कारण साल दर साल बारिश का अनियमित होना, बेसमय होना और अचानक तेजगति से होना घटित होगा ही। आंकड़ों के आधार पर हम पानी के मामले में पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा समृद्ध हैं, लेकिन चिंता का विषय यह है कि पूरे पानी का कोई 85 फीसदी बारिश के तीन महीनों में समुद्र की ओर बह जाता है और नदियां सूखी रह जाती हैं। यह सवाल देश में हर तीसरे साल खड़ा हो जाता है कि "औसत से कम" पानी बरसा या बरसेगा, अब क्या होगा? देश के 13 राज्यों के 135 जिलों की कोई दो करोड़ हेक्टर कृषि भूमि के किसान प्रत्येक दस साल में चार बार पानी के लिए त्राहि-त्राहि करते हैं।

दरअसल, लोग नजरअंदाज कर रहे हैं कि यदि सामान्य से कुछ कम बारिश भी हो और प्रबंधन ठीक हो तो समाज पर इसके असर को गौण किया जा सकता है। जरा देश की जल-कुंडली भी बांच ली जाए। भारत में दुनिया की कुल जमीन या धरातल का 2.45 क्षेत्रफल है। दुनिया के कुल संसाधनों में से चार फीसदी हमारे पास हैं व जनसंख्या की भागीदारी 16 प्रतिशत है। हमें हर साल औसतन 110 सेंटीमीटर बारिश से कुल 4000 घन मीटर पानी प्राप्त होता है, जो कि दुनिया के अधिकांश देशों से बहुत ज्यादा है। लेकिन हमारे यहां बरसने वाले कुल पानी का महज 15 प्रतिशत ही संचित हो पाता है। शेष पानी नालियों, नदियों से होते हुए समुद्र में जाकर मिल जाता है। हां, एक बात सही है कि कम बारिश में भी उग आने वाले मोटे अनाज जैसे ज्वार, बाजरा, कुटकी आदि की खेती व इस्तेमाल सालों-साल कम हुआ है। वहीं ज्यादा पानी मांगने वाले सोयाबीन व अन्य कैश क्रॉप ने खेतों में स्थान बढ़ाया है। इसके चलते बारिश पर निर्भर खेती बढ़ी है। थोड़ा भी कम पानी बरसने पर किसान दुखी दिखता है।

देश का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 32.80 लाख वर्ग किलोमीटर है, जबकि सभी नदियों को सम्मिलित जलग्रहण क्षेत्र 30.50 लाख वर्ग किलोमीटर है। भारतीय नदियों के मार्ग से हर साल 1645 घन किलोलीटर

पानी बहता है जो सारी दुनिया की कुल नदियों का 4.445 प्रतिशत है। देश के उत्तरी हिस्से में नदियों में पानी का अस्सी फीसदी जून से सितंबर के बीच रहता है, दक्षिणी राज्यों में यह आंकड़ा 90 प्रतिशत का है। जाहिर है कि देश में आठ महीनों में पानी का जुगाड़ ना तो बारिश से होता है और ना ही नदियों से। दुखद है कि बरसात की हर बूंद को सारे साल जमा करने वाली गांव-कस्बे की छोटी नदियां बढ़ती गरमी, घटती बरसात और जल संसाधनों की नैसर्गिकता से लगातार छेड़छाड़ के चलते या तो लुप्त हो गई या गंदे पानी के निस्तार का नाला बना दी गईं। देश के चप्पे-चप्पे पर छितरे तालाब तो हमारा समाज पहले ही चट कर चुका है। कुएं तो बिसुरी बात हो गए। बाढ़-सुखाड़ के लिए बदनाम बिहार जैसे सूबे की 90 प्रतिशत नदियों में पानी नहीं बचा। गत तीन दशक के दौरान राज्य की 250 नदियां लुप्त हो चुकी हैं। बिहार में पानी के लिए हत्या का आंकड़ा देश में सर्वाधिक है। झारखंड के हालात कुछ अलग नहीं हैं, यहां भी 141 नदियों के गुम हो जाने की बात फाइलों में तो दर्ज है लेकिन उनकी चिंता किसी को नहीं। नदियों का जीवनस्थल कहा जाने वाला उत्तराखंड हो या फिर दुनिया की सबसे ज्यादा बरसात के लिए मशहूर मेघालय, छोटी नदियों के लुप्त होने का सिलसिला जारी है। प्रकृति तो हर साल कम या ज्यादा, पानी से धरती को सींचती ही है। लेकिन असल में हमने पानी को ले कर अपनी आदतें खराब कीं। जब कुएं से रस्सी डाल कर पानी खींना होता था तो जितनी जरूरत होती थी, उतना ही जल उलीचा जाता था। घर में टोंटी वाले नल लगने और उसके बाद बिजली या डीजल पंप से चलने वाले ट्यूब -वेल लगने के बाद तो एक गिलास पानी के लिए बटन दबाते ही दो बाल्टी पानी बर्बाद करने में हमारी आत्मा नहीं कांपती है।

हमारी परंपरा पानी की हर बूंद को स्थानीय स्तर पर सहेजने, नदियों के प्राकृतिक मार्ग में बांध, रेत निकालने, मलबा डालने, कूड़ा मिलाने जैसी गतिविधियों से बच कर, पारंपरिक जल स्रोतों- तालाब, कुएं, बावड़ी आदि के हालात सुधार कर, एक महीने की बारिश के साथ सालभर के पानी की कमी से जूझने की रही है। निस्संदेह, प्रकृति जीवनदायी संपदा पानी हमें एक चक्र के रूप में प्रदान करती है और इस चक्र को गतिमान रखना हमारी जिम्मेदारी है। इस चक्र के थमने का अर्थ है हमारी जिंदगी का थम जाना।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता नियमन का हो संतुलित मार्ग

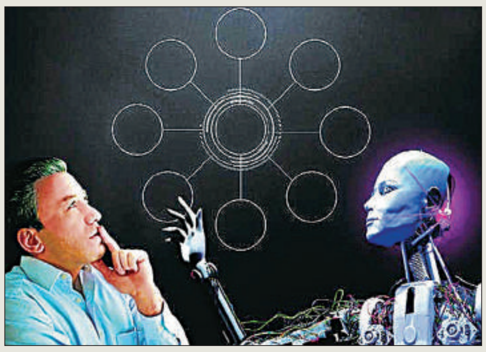

दिनेश सी. शर्मा

गूगल के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित चैटबॉट जैमिनी को लेकर मचे हो-हल्ले ने इस तकनीक, इससे संबंधित नियामक तंत्र और सरकार की भूमिका को लेकर कई महत्वपूर्ण मुद्दों की ओर ध्यान खींचा है। एक व्यक्ति द्वारा इस चैटबॉट से प्रधानमंत्री और फासीवाद को लेकर पूछे सवाल का उत्तर शेयर करने के बाद सोशल मीडिया पर एआई टूल्स चर्चा का विषय बने हुए हैं। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने तुरत-फुरत कहा कि प्रधानमंत्री पर विशेष रूप से पूछे गए सवाल का जवाब पक्षपातपूर्ण है और यह आईटी कानून एवं अन्य कानूनों के मुताबिक गैर-कानूनी सामग्री को, माध्यम बने व्यक्तियों या प्लेटफार्म्स द्वारा शेयर करना, नियमों प्रावधानों का उल्लंघन है। मंत्री के इस उत्तर के बाद मंत्रालय का परामर्श प्रपत्र जारी हुआ, जिसमें कहा गया कि उपभोक्ता को अंडर-टेस्टिंग या गैर-भरोसेमंद एआई मॉडल्स एवं सॉफ्टवेयर मुहैया करवाने से पूर्व भारत सरकार से विशेष अनुमति लेना जरूरी होगा।

भारत में एआई और अन्य नवीनतम तकनीकों को लेकर नियामक तंत्र और व्यवस्था की अनुपस्थिति में, पहले मंत्री की प्रतिक्रिया और फिर परामर्श प्रपत्र जारी करने वाले उपाय को अधिक से अधिक, समस्या बनने पर आनन-फानन में किया जुगाड़भर कहा जा सकता है। नई-नई तकनीक से बनने वाली नवीन स्थितियों से निपटने को लेकर सरकारों का इतिहास खराब रहा है। तकरीबन आधा सदी पहले तकनीक विकास महानिदेशालय बनाया गया था। इसने विदेशी तकनीक की आमद पर एक अति शंकालु चौकीदार की भूमिका निभाई। यह विभाग 1960 के दशक में अमेरिकी कॉर्पोरेशनों द्वारा भारत में इलेक्ट्रॉनिकी का उत्पादन शुरू करने संबंधी अनुमतियों को खारिज करने के लिए उत्तरदायी है। जब 1980 के दशक में टेक्सास इंस्ट्रूमेंट नामक कंपनी ने बेंगलोर से सैटेलाइट्स के जरिए सॉफ्टवेयर निर्यात करना शुरू किया (उस वक्त यह एकदम नई चीज थी) तब भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने कहा कि जो कुछ भी भेजा जाए, उसका प्रिंटआउट जमा करवाया जाए, इस आधार पर कि कहीं राष्ट्र से संबंधित गुप्त सूचनाएं तो नहीं प्रेषित हो रही।

प्रत्युत्तर में जो मिला, वह था 0 और 1 के रूप में बाइनरी इबारत से भरे कागजों का इतना बड़ा ढेर, जिससे कमरा भर जाए! वर्ष 1990 के दशक में, उद्योग मंत्रालय के एक बाबू ने वैक्सीन बनाने वाली एक कंपनी द्वारा लाइसेंस की अर्जी भारी उद्योग इंजीनियरिंग विभाग को विचारार्थ हस्तांतरित कर दी, क्योंकि उत्पादन विधि में 'जेनेरिक इंजीनियरिंग' प्रयुक्त किए जाने का जिक्र था! हमारी बाबूशाही की कार्यशैली को देखते हुए, कोई भी समझ सकता है कि गूगल, मेटा, एप्पल या ओपन एआई का भविष्य क्या होगा, जब वे अनुमति पाने में अपने एआई एलोरिदम का प्रिंटआउट आईटी मंत्रालय में बैठे बाबुओं को सौंपेंगे। एआई को लेकर एकतरफा चलताऊ नीतिगत परामर्श प्रपत्र जारी करने की बजाय, नीतियों और नियामक धाराएं बनाने के विमर्श में, तमाम संबंधित पक्षों को शामिल करना जरूरी है।

एआई पर विचार अब तक सिर्फ इसके बदलते स्वरूप या सामर्थ्य या नवोन्मेष एवं स्टार्टअप्स की तरक्की तक सीमित रहा है। उधर कंपनियां जितनी जल्दी हो सके, बाजार में नए-नए फीचर उतारना या फिर मौजूदा उत्पाद में नए फीचर डालना चाहती हैं। यदि उपभोक्ता को ऐसा मोबाइल फोन मिले, जिसमें इमेज रिकॉग्निशन सॉफ्टवेयर हो, तो जाहिर वह सेवा संबंधी शर्तों को पढ़ने की जहमत उठाए बिना इस्तेमाल करने को उतावला रहेगा। तकनीक ईजाद करने वाली कंपनियों को शिकायत है कि अतिशयी नियामक नियंत्रण उनके नवोन्मेष पर बुरा असर डालेगा। हालांकि जैमिनी वाले विवाद के बाद, संबंधित मंत्री ने साफ किया कि एआई पर जारी परामर्श नए स्टार्टअप्स पर लागू नहीं होगा। एआई और विभिन्न क्षेत्रों में इसकी उपयोगिता के मद्देनजर, इस किस्म का चलताऊ रास्ता लेना, व्यापक सवालों को दरकिनार करता है। सवाल है, क्या हमें ऐसी एप्लिकेशंस (सॉफ्टवेयर) की जरूरत है जिसका इस्तेमाल करना ही पड़े या फिर जरूरत महसूस हो (कुछ विशेषज्ञ इसको मनुष्य-केंद्रित एआई का नाम देते हैं) या फिर वैसी एप्लिकेशंस विकसित करने की आवश्यकता है, जो हमारे व्यवहार में बदलाव करती हो या मानवीय एवं सामाजिक नियमों को भंग करती हों? डर है कि यदि एआई टूल्स का डिजाइन अंतिम छोर के उपभोक्ता के संदर्भों को सोच में रखे बगैर किया जाता है, तो कदाचित यह विकास क्रिया उपभोक्ताओं को लेकर बनी त्रुटिपूर्ण सोच अथवा पक्षपाती अनुमानों पर आधारित होगी।

नियामक तंत्र बनाने का विचार करते वक्त नैतिकता, सामाजिकता, निजता और पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है। लोगों में एआई तकनीक पर यथेष्ट समझ बने बिना और बगैर गहराई में उतरे, अनेकानेक क्षेत्रों में इसको तेजी से अपनाया जा रहा है। यहां तक कि सरकारी एजेंसियां भी निजता, पारदर्शिता और लोगों के मूल अधिकारों को ताक पर रखकर एआई तकनीकें अपना रही हैं। उदाहरणार्थ किसान आंदोलन में निगरानी के लिए ड्रोन और फेशियल रिकॉग्निशन तकनीक का इस्तेमाल करना। तकनीक और नियामक तंत्र के बीच दौड़ में, साथ के साथ सुधार करने की नियामक तंत्र की गति अक्सर धीमी पाई जाती है। विश्वभर में सरकारें और नियामक संस्थान एआई की चाल से कदमताल बनाए रखने को हाथ-पैर मार रहे हैं।

खरबूजा का बीज है पोषण का पावरहाउस

खरबूजा कुकरबीट परिवार का एक प्रसिद्ध फल है। इसकी प्रसिद्धि का अंदाजा इस बात से लगाया जा किया है की इस पर मुहावरे भी बने है। खरबूजा खरबूजे को देखकर रंग बदलता है। पके खरबूजे से आती हुई गंध किसी को भी सम्मोहित कर सकती है। यह गर्मियों का एक प्रिय फल है जो अपने मीठे, ताजा स्वाद के लिए प्रसिद्ध है। इसका रसदार गूदा सुर्खी बटोरता है लेकिन पोषण का अक्सर अनदेखा किया जाने वाला खजाना इसके बीजों में छिपा होता है। खरबूजे के बीज अनैको आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और बहुत से स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं, जो उन्हें एक मूल्यवान फूड स्प्लीमेंट बनाते हैं। पोषण की बात करें तो खरबूजे के बीज पोषक तत्वों से भरपूर पावरहाउस हैं, जो विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं।

प्रोटीन

प्रोटीन अत्यधिक जटिल अमीनो एसिड से बना होता है जो रासायनिक प्रक्रियाओं में शामिल होते हैं जो ऊर्जा उत्पन्न करते हैं। प्रोटीन हमारे शरीर के लिए महत्वपूर्ण हैं और इसमें बीस एमिनो एसिड होते हैं। विभिन्न प्रकार के प्रोटीन होते हैं और ये एक प्रजाति से दूसरे और एक अंग से दूसरे अंग में भिन्न होते हैं। जायद में जब कोई अन्य फसल नही होती है पानी की उपलब्धता वाले क्षेत्रों में खरबूजे की फसल कम अवधि में अच्छी आय अर्जित कर सकता है। बाजार की निरंतर बढ़ती मांग ने इसके क्षेत्र विस्तार में बड़ी भूमिका निभाई है। बाजार के समर्थन से जो बीज 100 से 150 रुपए के औसत भाव पर था आज कीमत बढ़कर तीन गुना हो गई है। खरबूजे के बीज शाकाहारी प्रोटीन का एक उत्कृष्ट स्रोत है, जिसमें प्रति औंस (लगभग 28 ग्राम) लगभग 8-10 ग्राम प्रोटीन होता है।

फाइबर

फाइबर युक्त चीजों के अधिक सेवन पर ध्यान देना चाहिए। डायट्री फाइबर आपके मल त्याग की प्रक्रिया को आसान बनाते हैं। फाइबर युक्त चीजों का सेवन करने से कब्ज होने की दिक्कत कम होती है और यह आंतों को स्वस्थ बनाए रखने में भी मदद करता है। खरबूजे के बीज फाइबर से भरपूर होते हैं, पाचन में सहायता करते हैं, रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करते है और तृप्ति को बढ़ावा देते हैं। खरबूजे के बीजों को अपने आहार में शामिल करने से कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं, जैसे दिल का स्वास्थ्य, वजन प्रबंध, अच्छा पाचन, उपस्थित कैल्शियम और मैग्नीशियम से हड्डियों की मजबूती, मजबूत प्रतिरक्षा जो बीमारियों से लड़ने में मदद करती है।

स्वस्थ वसा

बढ़ते उपयोग ने कृषकों के लिए भी एक नई फसल के रूप में संभावनाओं के नए अवसर खोलें है। बीज वाला खरबूजा अलग किस्म है जिसे किसान बीज के लिए ही लगाता है। इन बीजों में ओमेगा-3 और ओमेगा-6 फैटी एसिड सहित हृदय के लिए अच्छी वसा प्रचुर मात्रा में होती है। ये आवश्यक वसा मस्तिष्क के कार्य में सहायता करते हैं, सूजन को कम करते है और हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं।

हड्डियों को बनाये मजबूत

खरबूजा बीज आवश्यक विटामिन और खनिज जैसे मैग्नीशियम, पोटेशियम, कैल्शियम, लोहा, जस्ता और विटामिन ई से भरे हुए हैं। ये पोषक तत्व हड्डियों के स्वास्थ्य, प्रतिरक्षा कार्य और ऊर्जा चयापचय सहित विभिन्न शारीरिक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खरबूजे के बीज के स्वास्थ्य लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता के साथ, स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में मांग बढ़ने से कीमत अच्छे स्तर पर बनी हुई है और आगे भी संभावना है। ऐसे में उचित विधि से जायद में इसकी खेती कृषकों की आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी।

हंसना मना है

टीचर: सेमस्टर सिस्टम के फायदे बताओ? स्टूडेंट: फायदे तो पता नहीं, पर बेइजती साल में 2 बार हो जाती है।

भिखारी- लड़की से बोला कुछ खाने को दे दो, लड़की- टमाटर खाओ, भिखारी- रोटी दे दो, लड़की- टमाटर खाओ, भिखारी- अच्छा लाओ टमाटर ही दे दो, लड़की की मां- अरे तुम जाओ बाबा ये तोतली है। कह रही है..कमा कर खाओ।

जिस लड़के कि शादी, उसकी पहली ही गर्लफ्रेंड से हो जाए तो ऐसा लगता है जैसे बंदा "Try Ball" पर ही आउट हो गया।

टीचर ने साइंस लैब में अपनी जेब से सिक्का निकाला और एसिड में डाला, फिर बच्चों से पूछा कि ये सिक्का घुल जाएगा या नहीं, बच्चा- सर, नहीं घुलेगा, टीचर- शाबाश, लेकिन तुम्हें कैसे पता? बच्चा- सर अगर एसिड में डालने से सिक्का घुलता, तो आप सिक्का हमसे मांगते, ना कि अपनी जेब से निकालते।

डॉक्टर - कहिए कैसे आना हुआ, राजू- डॉक्टर साहब लिवर में बहुत दर्द हो रहा है, डॉक्टर- शराब पीते हो? राजू- हां-हां बिल्कुल पर छोटा पैक ही बनाना।

कहानी: धोबी का गधा

किसी एक गांव में एक धोबी अपने गधे के साथ रहता था। वह रोज सुबह अपने गधे के साथ लोगों के घरों से गंदे कपड़े लाता और उन्हें धोकर वापस दे आता। यही उसका दिनभर का काम था और इसी से उसकी रोजी-रोटी चलती थी। गधा कई सालों से धोबी के साथ काम कर रहा था और समय के साथ-साथ अब वह बूढ़ा हो गया था। बढ़ती उम्र ने उसे कमजोर बना दिया था, जिस वजह से वह ज्यादा कपड़ों का वजन नहीं उठा पाता था। एक दोपहर, धोबी अपने गधे के साथ कपड़े धोने धोबी घाट जा रहा था। धूप तेज थी और गर्मी की वजह से दोनों की हालत खराब हो रही थी। गर्मी के साथ-साथ कपड़ों के अधिक वजन के कारण गधे को चलने में परेशानी हो रही थी। वो दोनों घाट की तरफ जा ही रहे थे कि अचानक गधे का पैर लड़खड़ाया और वह एक गहरे गड्ढे में गिर गया। अपने गधे को गड्ढे में गिरा देख धोबी घबरा गया और उसे बाहर निकालने के लिए जतन करने लगा। बूढ़ा और कमजोर होने के बावजूद, गधे ने गड्ढे से बाहर निकलने में अपनी सारी ताकत लगा दी, लेकिन गधा और धोबी दोनों नाकामयाब रहे। धोबी को इतनी मेहनत करते देख कुछ गांव वाले उसकी मदद के लिए पहुंच गए, लेकिन कोई भी उसे गड्ढे से बाहर नहीं निकाल पाया। तब गांव वालों ने धोबी से कहा कि गधा अब बूढ़ा हो गया है, इसलिए समझदारी इसी में है कि गड्ढे में मिट्टी डालकर उसे यहीं दफना दिया जाए। थोड़ा मना करने के बाद, धोबी भी इस बात के लिए राजी हो गया। गांव वालों ने फावड़े की मदद से गड्ढे में मिट्टी डालना शुरू कर दिया। जैसे ही गधे को समझ आया कि उसके साथ क्या हो रहा है, तो वह बहुत दुखी हुआ और उसकी आंखों से आंसू निकलने लगे। गधा कुछ देर चिल्लाया, लेकिन कुछ देर बाद वह चुप हो गया। अचानक धोबी ने देखा कि गधा एक विचित्र हरकत कर रहा है। जैसे ही गांव वाले उस पर मिट्टी डालते, वह अपने शरीर से मिट्टी को नीचे गड्ढे में गिरा देता और उस मिट्टी के ऊपर चढ़ जाता। ऐसा लगातार करते रहने से गड्ढे में मिट्टी भरती रही और गधा उस पर चढ़ते हुए ऊपर आ गया। अपने गधे की इस चतुराई को देखकर धोबी की आंखों में खुशी के आंसू आ गए और उसने गधे को गले से लगा लिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने के प्रति रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। निवेश शुभ रहेगा।

वृषभ धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

मिथुन कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐश्वर्य के साधनों पर सोच-समझकर खर्च करें। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि बाद में पछताना पड़े। दूसरे अधिक अपेक्षा करेंगे।

कर्क प्रतिद्वंद्विता कम होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बिगड़ सकती है। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा।

सिंह भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। देनदारी कम होगी।

कन्या शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा।

तुला शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे।

वृश्चिक पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

धनु किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। राजभय रहेगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

मकर कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कुम्भ मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है या समय पर नहीं मिलेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। आय में निश्चितता रहेगी।

मीन बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

इंटरनेट और फिल्मी सितारों के बीच होना चाहिए सीक्रेट : रवीना

सोशल मीडिया के जमाने में हर कोई अपनी पर्सनल लाइफ की झलक सोशल मीडिया पर शेयर करता रहता है। वो चाहे आम व्यक्ति हो या कोई फिल्म सेलिब्रिटी। एक वक्त था जब लोगों को एक दूसरे के निजी जीवन के बारे में जानने के लिए व्यक्तिगत रूप से मिलना और जानना पड़ता था। ऐसा ही कुछ सेलेब्स के साथ भी है। पहले लोगों को फिल्मी सितारों के बारे में जानने के लिए इंटरव्यू या समाचार पत्र का इंतजार करना पड़ता था। आज के समय में ये दूरी खत्म हो गई है। इसी मुद्दे पर रवीना टंडन से हाल में अपनी राय रखी है। मीडिया के साथ बातचीत में रवीना कहती हैं, भले ही सोशल मीडिया आज के समय की मांग हो मगर फिर भी सेलेब्स के आस-पास थोड़ा बहुत सीक्रेट होना चाहिए। आगे एक्ट्रेस बताती हैं कि अपने बारे में बातें शेयर करना ठीक है, लेकिन एक सीमा से ज्यादा सोशल मीडिया पर समय देना अच्छी आदत नहीं है। पहले जैसे कलाकारों के निजी जीवन को लेकर एक सीक्रेट या जिज्ञासा बनी रहती थी, वह नहीं रह पाती है। यह तो कुछ वैसी ही बात हो गई कि आपने सारी परफॉर्मेंस स्टेज पर जाने से पहले ही दिखा दी। फिर स्टेज पर क्या दिखाओगे, एक्ट्रेस कहती हैं। आगे एक्ट्रेस कहती हैं कि यह ठीक है कि समय के अनुरूप बदलना भी चाहिए। यह दौर इंटरनेट मीडिया का है, इसलिए आप उससे भाग नहीं सकते हैं, लेकिन यह तय जरूर कर सकते हैं कि जीवन की कितनी झलक लोगों को दिखानी है। एक्ट्रेस की इन बातों को अगर ध्यान से सुना और पड़ा जाए तो वो हर तरह से सही जाम पड़ती हैं। सोशल मीडिया से हर व्यक्ति का एक हद तक दुरी बनाना जरुरी है ताकि उसका हमारे जीवन पर असर न पड़े।

अल्लू अर्जुन के जन्मदिन पर आयेगा पुष्पा-2 का टीजर!

अल्लू अर्जुन की पुष्पा द राइज के बाद से ही इसके सीक्रल का लोगों को बेसब्री से इंतजार है। इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में पुष्पा द रूल का नाम भी शामिल है। सुकुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म पर हाल ही में एक बड़ा अपडेट आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मेकर्स इस फिल्म का टीजर लॉन्च करने की जोर शोर से तैयारी कर रहे है।

अल्लू अर्जुन की पुष्पा द राइज के बाद से ही इसके सीक्वल का लोगों को बेसब्री से इंतजार है। इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में पुष्पा द रूल का नाम भी शामिल है। सुकुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म पर हाल ही में एक बड़ा अपडेट आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मेकर्स इस फिल्म का टीजर लॉन्च करने की जोर शोर से तैयारी कर रहे हैं।

कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि फिल्म के निर्माता अल्लू अर्जुन के जन्मदिन पर इसका टीजर लॉन्च कर फैंस को बड़ा तोहफा दे सकते हैं।

बॉलीवुड | गपशप

बताया जा रहा है कि आठ अप्रैल को फिल्म का टीजर जारी किया जा सकता है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इस अपडेट ने निश्चित रूप से अल्लू के प्रशंसकों को बेहद उत्साहित कर दिया है।

पिछले साल पुष्पा 2 से अल्लू अर्जुन का फर्स्ट लुक पोस्टर भी जारी किया गया था। इसमें अभिनेता साड़ी पहने हुए नजर आए थे। उनका चेहरा नीले और लाल रंग से रंगा हुआ था। साल 2021 में रिलीज पुष्पा: द राइज को सुकुमार ने ही लिखा और निर्देशित किया था। बॉक्स ऑफिस पर

यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। कोरोना काल में यह सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी। पुष्पा-2 की बात करें तो फिल्म में सामंथा रुथ प्रभु भी कैमियो रोल में नजर आ सकती हैं। फिल्म में संजय दत्त की भी विशेष भूमिका होने की संभावना है। यह फिल्म 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

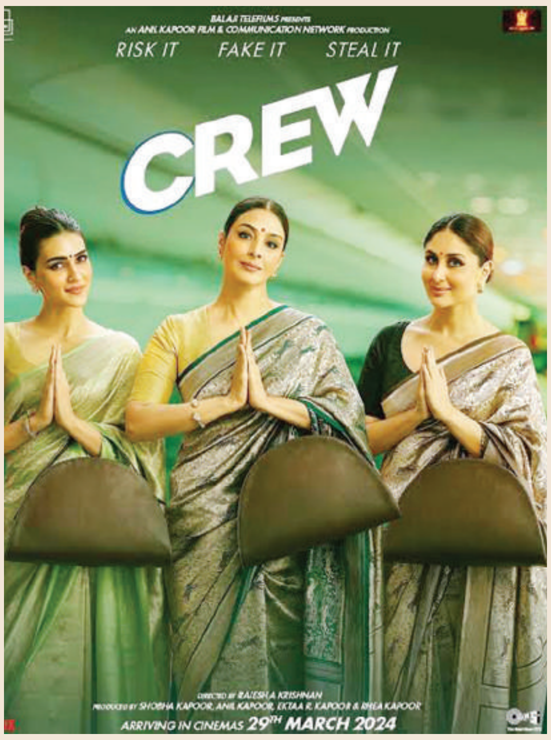

करीना, तब्बू और कृति सेनन का चला जादू, बॉक्स ऑफिस पर छा गई क्रू

करीना कपूर, तब्बू और कृति सैनन की फिल्म 'क्रू' सिनेमाघरों में शुक्रवार यानी 29 मार्च को दस्तक दे चुकी है। फिल्म को क्रिटिक्स से अच्छे रिव्यूज मिले हैं। वहीं, ऑडियंस भी मूवी की खूब तारीफ कर रही है। लोग 'क्रे' को एक फुल एंटरटेनिंग फिल्म बता रहे हैं। इसने रिलीज होने के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है और पहले दिन दमदार ओपनिंग की है। चलिए आपको बताते हैं कि पहले दिन करीना कपूर, तब्बू और कृति सैनन की 'क्रू' ने कितने करोड़ का बिजनेस किया है।

'क्रू' में करीना कपूर, तब्बू और कृति सैनन की तिकड़ी छा गई है। फिल्म में तीनों एक्ट्रेस ने एयर होस्टेस की भूमिका निभाई है। सभी ने अपनी अदाकारी से ऑडियंस के दिलों को जीत लिया है। कमाई के मामले में भी 'क्रू' ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, 'क्रू' ने पहले दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 8.75 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है। हालांकि, ये अर्ली एस्टीमेट है। ऑफिशियल डेटा आने के बाद कलेक्शन में थोड़ा-बहुत बदलाव हो सकता है।

फिल्म ट्रेड एक्सपर्ट्स का मानना है कि वीकेंड यानी शनिवार और रविवार को 'क्रू' की कमाई में और भी उछाल देखने को मिल सकता है। इस मूवी का बजट लगभग 50 करोड़ बताया जा रहा है। अगर ओपनिंग जितना कलेक्शन 'क्रू' हर दिन करेगी, तो बहुत जल्द ही ये मूवी बॉक्स ऑफिस पर अपनी लागत वसूल लेगी।

अजब-गजब | छूने से भी डरते हैं लोग, लौटने में छूटता है पसीना!

दुनिया के सबसे डरावने पुलों में एक है ये ब्रिज

दुनिया में पुल बनाते समय एक बात का ध्यान रखना होता है कि यात्रियों को उसे पार करना असुरक्षित ना लगे। फिर भी कई ऐसा अनगिनत पुल या ब्रिज हैं जो जिन्हें देखते ही उसे पार करने से लोग घबराने लगते हैं। इस तरह के पुल ऊंचे पहाड़ों में ज्यादा देखने को मिलते हैं जो केवल इंसानों के लिए ही चल कर पार करने के लिए बनाए गए हैं और उनसे कोई वाहन नहीं गुजर सकता है। ऐसा ही एक ब्रिज उत्तरी आयरलैंड का कैरिक अ रेडे रोप ब्रिज है, जो दुनिया का सबसे डरावने ब्रिज में से एक माना जाता है।

इस ब्रिज के बारे में प्रसिद्ध है कि यह इतना डरावना है कि इस पर बहुत से लोग बिना उसे छुए ही लौट गए हैं। इसका नाम कैरिक अ रेडे रोप ही बताता है कि यह ऐसा रस्सी का पुल है जो अटलांटिक महासागर के दो पुलों को जोड़ने का काम करता है। यह पुल समुद्र तल से 30 मीटर ऊंचा है। इसे 250 साल पहले एक सालमन मछुआरे ने बनाया था। आज इस पर द नेशनल ट्रस्ट का मालिकाना हक है और वही इसकी देखरेख भी करता है। लोग इसे पैदल पार सकते हैं जिससे गुजर कर वे कैरिक अ रेडे द्वीप पर जा सकते हैं जो जहां एक मछुआरे की कुटिया है। इस ब्रिज की खास बात यह है कि यह दुनिया के 18 सबसे डरावने पुलों में की सूची में शामिल किया गया है। इसे पार करने वाले अधिकांश यात्री वापस नहीं लौटते हैं और वे वापस आने के लिए नाव से वापस आते हैं। इसकी वजह यही है कि यह पुल वास्तव में जितना सुरक्षित है, उससे कहीं ज्यादा खतरनाक या डरावना लगता है।

लेकिन पहले यह पुल ज्यादा खतरनाक था क्योंक जब इसका उपयोग केवल वह मछुआरा किया करता था, जिसने उसने बनाया था, तब उसमें केवल एक ही हैंडरेल था। वह मछुआरा सालमन मछलियों को पकड़ने के लिए यह पुल पार किया करता था। जब से यह ब्रिज नेशनल ट्रस्ट के कब्जे में आया है। इसमें दो हैंडरेल लगाकर मजबूत किया गया है। जिससे इसकी सुरक्षा बढ़ सके और वह तकनीकी तौर पर पार करने के लिए पूरी तरह से सुरक्षित और मजबूत भी माना गया है। लेकिन इसे पार करते समय यह बहुत हिलता है जिससे पार करने वाले खासे डर जाते हैं। यहां तक कि खराब मौसम में खुद ट्रस्ट ही इस ब्रिज की आवाजाही पर रोक लगा देता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि इस ब्रिज को पार करना एक साहस का काम कहा जा सकता है, लेकिन लोगों को इसे पार करने के फायदे भी मिलते हैं उन्हें इसे पार कर खूबसूरत सौंदर्य नाजारे देखने को मिलते हैं। यह काफी रोमांचक सफर माना जाता है।

इस देश में अब खुलकर दाढ़ी बढ़ा सकेंगे सैनिक, खत्म हुआ 100 सालों का बैन

आपने फिल्मों में देखा होगा कि सैनिक जंग के मैदान में बढ़ी दाढ़ी और लहराते हुए बालों के साथ मिशन को अंजाम देते हैं और दुश्मनों को मौत के घाट उतारते हैं। पर वास्तव में कई देशों में सैनिकों को दाढ़ी और बाल बढ़ाने की इजाजत ही नहीं होती है। इंडियन आर्मी में भी ये नियम हैं। ब्रिटिश आर्मी में तो पिछले 100 सालों से ये नियम था कि सैनिक दाढ़ी नहीं बढ़ा सकते। पर अब इस नियम को खत्म कर दिया गया है। वो खुलकर दाढ़ी बढ़ा सकते हैं पर उन्हें एक शर्त माननी पड़ेगी। रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटिश आर्मी में काम करने वाले सैनिक और अधिकारी अब दाढ़ी रख पाएंगे। पिछले 100 सालों से दाढ़ी पर जो बैन लगा था, उसे हटा दिया गया है। इस नियम में बदलाव को किंग चार्ल्स से मंजूरी मिलना जरूरी है, जो ब्रिटिश आर्मी के कमांडर-इन-चीफ हैं। एक तरफ ये वहां के सेना के जवानों के लिए खुशखबरी हो सकती है, पर उन्हें एक शर्त को भी मानना होगा। नियम ये बनाए गए हैं कि सैनिक दाढ़ी तो बढ़ा सकते हैं, मगर उन्हें पूरी दाढ़ी रखनी होगी। फ्रेंच कट, या अन्य लुक वाली कोई दाढ़ी रखने की अनुमति नहीं है। इसके अलावा वो अपनी दाढ़ी को अलग-अलग रंगों से रंग नहीं सकेंगे, ना ही वो पैच में दाढ़ी रख पाएंगे। उन्हें दाढ़ी को हमेशा साफ-सुथरा रखना पड़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार उनकी दाढ़ी का हमेशा रिव्यू होता रहेगा जिससे दाढ़ी से जुड़े नियमों को लागू करवाया जा सके। माना जा रहा है कि ये बैन इस वजह से हटाया गया है जिससे आजकल के युवाओं को आर्मी की ओर आकर्षित किया जा सके और वो भी बढ़चढ़कर देश की सुरक्षा में योगदान दें। नियम से जुड़ी ये जानकारी वॉरंट ऑफिसर क्लास-1, पॉल कार्नी द्वारा जारी किए गए 4 मिनट लंबे वीडियो में दी गई थी। आपको बता दें कि ब्रिटेन की रॉयल एयरफोर्स में साल 2019 से ही सैनिकों को दाढ़ी बढ़ाने की इजाजत दे दी गई थी। जबकि रॉयल नेवी में भी ये अनुमति सालों पहले दे दी गई थी।

चुनाव फिक्सिंग के बिना बीजेपी का 80 सीटें पार करना मुश्किल : राहुल

महारैली में मोदी सरकार को जमकर घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव में मैच फिक्सिंग की जा रही है। हमारे बैंक अकाउंट बंद कर दिए गए हैं। चुनावी के बीच ऐसा किया जा रहा है। ऐसा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कुछ करोबारी मिलकर कर रहे हैं। महारैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि आज कल आईपीएल के मैच चल रहे हैं।

आप सबने मैच फिक्सिंग शब्द सुना है...जब बेइमानी से एम्पायर पर दबाव डालकर, खिलाड़ियों को खरीदकर मैच जीता जाता है... हमारे सामने लोकसभा का चुनाव है... हमारी टीम में से मैच शुरू होने से पहले दो खिलाड़ियों को गिरफ्तार करके अंदर कर दिया गया... पीएम मोदी इस चुनाव में मैच फिक्सिंग करने की कोशिश कर रहे हैं। ये जो उनका 400 पार का नारा है वो बिना मैच फिक्सिंग के 80 पार नहीं हो सकता है... कांग्रेस पार्टी विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी है। हमारे सभी बैंक अकाउंट बंद कर दिए गए हैं। चुनाव के बीच में देश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के बैंक अकाउंट बंद कर दिए... हमारे सारे संसाधनों को बंद कर दिया गया।

हिंदुस्तान के संविधान को गरीब जनता के हाथ से छीनने की हो रही कोशिश

उन्होंने कहा कि इसका (मैचफिक्सिंग) सिर्फ एक लक्ष्य है। हिंदुस्तान के संविधान को हिंदुस्तान की गरीब जनता के हाथ से छीनने के लिए ये मैचफिक्सिंग की जा रही है... जिस दिन ये संविधान खत्म हो गया, उस दिन ये हिंदुस्तान नहीं बचेगा... ये जो संविधान है हिंदुस्तान की जनता की आवाज है... यही इनका(भाजपा) लक्ष्य है... ये सोचते हैं कि धमकाकर और डराकर पुलिस, CBI, ED, IT के साथ देश चलाया जा सकता है... आप हिंदुस्तान की आवाज को नहीं दबा सकते हो। इस आवाज को कोई नहीं दबा सकता, ये लड़ाई संविधान को बचाने की लड़ाई है।

सत्ता आती है, जाती है, अहंकार चूर-चूर होता है : प्रियंका

महारैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि हर साल इस मैदान में दशहरे के दिन रावण के पुतले का दहन होता है... आज जो सत्ता में हैं वे अपने आप को राम भक्त कहते हैं, मुझे लगता है कि वे कर्मकांड में उलझ गए हैं, मैं आज उन्हें याद दिलाना चाहती हूं कि वो हजारों वर्ष पुरानी गाथा क्या थी... भगवान राम जब सत्य के लिए लड़े तो उनके पास सत्ता नहीं थी, उनके पास संसाधन नहीं थे, उनके पास तो रथ भी नहीं था... संसाधन रावण के पास थे... भगवान राम के पास सत्य, आशा, आस्था , प्रेम, परोपकार, धीरज और साहस था... मैं सत्ता में बैठे हुए अपने प्रधानमंत्री मोदी को याद दिलाना चाहती हूं कि भगवान राम के जीवन का क्या संदेश था। सत्ता सदैव नहीं रहती। सत्ता आती है, जाती है, अहंकार चूर-चूर होता है...।

अनेकता में एकता के लिए हुई रैली : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, यह मंच है अनेकता में एकता, विविधता में एकता है, यह दर्शाने के लिए यह सभा आयोजित हुई है।

सभी को एक साथ चलना होगा : फारूक

जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम और जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन जैसे गिरफ्तार किए गए सभी नेता तब मुक्त होंगे, जब आप सभी संविधान को पकड़ लेंगे। चुनाव के समय बटन दबाएं जो इस सरकार को हटा देगा। हम सभी को एक साथ आना होगा।

देश को खुशहाली देंगी 6 गारंटी : सुनीता केजरीवाल

नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन की महारैली को संबोधित करते हुए दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने कहा, मोदी जी ने मेरे पति को जेल में डाल दिया, क्या प्रधानमंत्री ने सही किया? क्या आप मानते हैं कि केजरीवाल एक सच्चे देश भक्त और ईमानदार व्यक्ति हैं? क्या केजरीवाल जी को इस्तीफा देना चाहिए? आपके केजरीवाल शेर हैं, ये ज्यादा दिन तक आपको जेल में नहीं रख पाएंगे। सुनीता केजरीवाल ने कहा कि यदि आप सब इंडिया गठबंधन को मौका देते हैं तो हम सब मिल कर एक ऐसे महान राष्ट्र का निर्माण करेंगे, केवल नाम में इंडिया गठबंधन नहीं हैं बल्कि

बोलीं- केजरीवाल शेर हैं, ज़्यादा दिन जेल में नहीं रहेंगे

दिल में इंडिया है... मैं(अरविंद केजरीवाल)इंडिया गठबंधन की ओर से 140 करोड़ भारतवासियों को 6 गारंटी देता हूं... पहला-पूरे देश में 24 घंटे बिजली का इतज़ाम करेंगे, दूसरा- पूरे देश के गरीबों की बिजली फ्री करेंगे, तीसरी- हर गांव हर मोहल्ले में शानदार सरकारी स्कूल बनाएंगे, चौथा- हर गांव में मोहल्ला क्लिनिक बनाएंगे, फ्री इलाज की व्यवस्था करेंगे, पांचवां- किसानों को स्वामीनाथन आयोग के मुताबिक एमएसपी पर फसलों की कीमत दिलवाएंगे, छठी- दिल्ली वासियों को उनका हक दिलाएंगे, दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाएंगे। यह ऐलान करने से पहले मैंने इंडिया गठबंधन के साथियों से उनकी अनुमति नहीं ली लेकिन उम्मीद है कि किसी को इस पर आपत्ति नहीं होगी, यह गारंटी हम अगले पांच वर्ष में पूरी करेंगे।

कमलनाथ के गृह नगर छिंदवाड़ा के महापौर भाजपा में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के एकमात्र विजेता नकुल नाथ ने छिंदवाड़ा से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। इस सीट का उनके पिता कमलनाथ ने संसद में नौ बार प्रतिनिधित्व किया है।

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को उस समय एक और झटका लगा जब सोमवार सुबह उसके नेता और छिंदवाड़ा के महापौर विक्रम अहाके मध्य प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हो गये। अहाके राज्य के सीएम मोहन यादव और भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख वी.डी. शर्मा की उपस्थिति में पार्टी में शामिल हुए। छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा से कांग्रेस विधायक कमलेश शाह पिछले सप्ताह भाजपा में शामिल हो गए थे।

विश्व कप में विजयी भार उठाने को तैयार वेटलिफ्टर

भाग लेने के लिए भारतीय भारोत्तोलन टीम थाईलैंड पहुंची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। फुकेत विश्वविद्यालय के परिसर मे 31 मार्च से 11 अप्रैल 2024 तक आजोजित होने वाली आईडब्ल्यूएफ विश्व कप में भाग लेने के लिए 10 सदस्य भारतीय भारोत्तोलन की टीम फुकेत, थाईलैंड पहुंच चुकी है। भारोत्तोलन के इस विश्व कप मे पूरी दुनिया से भारत सहित 110 देश भाग ले रहे हैं। इस विश्व कप का महत्व ये है कि ये पेरिस ओलिंपिक 2024 के लिए एक क्वालीफाइंग इवेंट भी है, इसलिए ओलंपिक में भाग लेने की इच्छा रखने वाले 110 देशों के ,466 सर्वश्रेष्ठ एथलीट भाग ले रहे हैं जिसमें 231 महिला एथलीट और 235 पुरुष एथलीट हैं।

इस विश्वकप में भारतीय प्रतिनिधि के रूप में सहदेव यादव और सबीना यादव भाग ले रही हैं। भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम का नेतृत्व रजनीश भास्कर बतौर टीम मैनजर कर रहे हैं, जिनकी नियुक्ति भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा भारतीय भारोत्तोलन संघ के अध्यक्ष सहदेव यादव की अनुशंसा पर की गई है। इस विश्व कप मे भारत के दो स्टार वेटलिफ्टर खेल रत्न पुरस्कार विजेता पद्मश्री एस मीराबाई चानू और बिंदियारानी देवी भाग ले रहे हैं। वही द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता वेटलिफ्टिंग के राष्ट्रीय मुख्य प्रशिक्षक विजय शर्मा, ओलंपियन कोच संदीप कुमार और प्रमोद शर्मा कोच के रूप में टीम का हिस्सा होंगे।

हमारे एथलीट बेहतर प्रदर्शन करेंगे : सहदेव

भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अध्यक्ष सह भारतीय ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष सहदेव यादव ने अपने दोनों एथलीटों के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई है और कहां की विश्व कप ही नहीं बल्की पेरिस ओलिंपिक में भी भारत को मेडल दिलवाने में हमारे खिलाड़ी कामयाब होंगे। देश के सभी खेल प्रेमी और स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम को अपनी शुभकमनाये देते हुए मेडल की उम्मीद जताई है ।

बोपन्ना और इबडेन ने जीता मियामी ओपन खिताब

सबसे उम्रदराज एटीपी मास्टर्स-1000 चैंपियन बने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मियामी। भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने सबसे उम्रदराज एटीपी मास्टर्स 1000 चैंपियन बनने के अपने रिकॉर्ड में सुधार करते हुए आस्ट्रेलिया के जोड़ीदार मैथ्यू इबडेन के साथ यहां मियामी ओपन में पुरुष युगल का खिताब जीता। इस साल अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 44 साल बोपन्ना और इबडेन की जोड़ी ने शुरुआती सेट में पिछड़ने के बाद हार्ड रॉक स्टेडियम में क्रोएशिया के इवान डोडिग और अमेरिका के ऑस्टिन क्राजिसेक की जोड़ी पर 6-7(3), 6-3, 10-6 से रोमांचक जीत हासिल की।

इस जीत के साथ बोपन्ना ने पिछले साल बनाए अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया। उन्होंने बीते साल 43 बरस की उम्र में इंडियन वेल्स खिताब जीता था। यह बोपन्ना का 14वां एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल था। इस अनुभवी भारतीय खिलाड़ी का यह 63वां एटीपी टूर स्तर का फाइनल और 26वां युगल खिताब था। बोपन्ना ने इस दौरान एक और उपलब्धि हासिल की। वह लिएंडर पेस के बाद सभी नौ एटीपी मास्टर्स स्पर्धाओं के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय बन गए।

युगल रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर

उन्होंने इसके साथ ही युगल रैंकिंग में शीर्ष स्थान भी हासिल किया। बोपन्ना ने जीत के बाद कहा कि यह आश्चर्यजनक है हम इन बड़े आयोजनों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, हम इसी के लिए खेलते हैं। इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना पहला युगल ग्रैंड स्लैम खिताब जीतन वाले बोपन्ना ने कहा किमैं मास्टर्स 1000 और ग्रैंड स्लैम में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। उस रिकॉर्ड को बरकरार रखना और बाकी सभी को कड़ी टक्कर देना अच्छा है।

पूरा मेडिकल कॉलेज ही हड़प गए भाजपा सांसद!

» निशिकांत दुबे के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर, पत्नी भी शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दूसरों के ऊपर भ्रष्टाचार का आरोप लगा कर अखबारों की सुर्खियों में बटोरने वाले भाजपा सांसद निशिकांत अब बुरे फंस गए हैं। दरअसल, देवघर स्थित मेडिकल कॉलेज को धोखाधड़ी कर हड़पने के आरोप में भाजपा के गोंड सांसद निशिकांत दुबे और उनकी पत्नी अनामिका गौतम समेत नो लोगों के खिलाफ परित्राण मेडिकल कॉलेज हड़पने का आरोप लगा है। निशिकांत दुबे ने इस आरोपों को निराधार बताया है। लोकसभा चुनावों 2024 के बीच ही झारखंड से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के लिए परेशानियों का दौर चल रहा है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे पर धोखाधड़ी के आरोप में एफआईआर दर्ज हुई है। निशिकांत दुबे पर दस्तावेजों का दुरुपयोग कर एक मेडिकल कॉलेज हड़पने का आरोप लगाया गया है। इस कारण ही उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। जानकारी के मुताबिक देवघर स्थित मेडिकल कॉलेज को धोखाधड़ी कर हड़पने के आरोप में भाजपा के गोंड सांसद निशिकांत दुबे और उनकी पत्नी अनामिका गौतम समेत नो लोगों के खिलाफ परित्राण मेडिकल कॉलेज हड़पने का आरोप लगा है। हालांकि निशिकांत दुबे ने इस आरोपों को निराधार बताया है।

दुबे ने आरोपों को निराधार बताया

मप्र में मंत्री पुत्र के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज

मध्य प्रदेश पुलिस ने भोपाल के शाहपुरा इलाके में झगड़े में पकड़े जाने के बाद राज्य के मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल के बेटे के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि अभिज्ञान पटेल और उसके दोस्तों ने एक सड़क दुर्घटना के बाद हुए झगड़े के दौरान एक पत्रकार, एक रेस्तरां मालिक दंपति और उनके कर्मचारी पर हमला किया। शनिवार देर रात मंत्री पटेल अपने सहयोगियों के साथ शाहपुरा थाने पहुंच। वहां अभिज्ञान और उसके दोस्तों ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने उन्हें प्रताड़ित किया। इसके बाद, चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया और जांच के आदेश दिए गए। पटेल सार्वजनिक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री हैं। समझा जाता है कि अभिज्ञान अपने मंत्री पिता की ओर से राजकीय समारोहों में उपस्थित होता है।

अप्रैल के पहले दिन बढ़ी तपन, सड़कें सुनसान

» स्कूल खुले, बच्चे गर्मी से रहे परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अप्रैल के पहले दिन सूरज ने अपने तेवर और कड़े कर दिए। सुबह से पारा चढ़ा हुआ है। सड़कों पर लोग ठंडी वस्तुओं का प्रयोग करते नजर आने लगे है। सोमवार को स्कूल भी खुल गए। बच्चे गर्मी से परेशान होते दिखाई दिए। वहीं यूपी में इस बार मार्च का महीना गर्म रहा। होली के बाद मौसम तेजी से बदला। आखिरी के तीन दिन कई जिलों में पारा 40 के पार भी गया। मार्च के अंतिम दिनों में गर्मी ने तेवर दिखा दिए हैं। रविवार सुबह की शुरुआत ही तीखी धूप के साथ हुई। दोपहर होते-होते गर्मी मिजाज और तल्ख हो गया। गर्म हवा के थपेड़ों ने लोगों को डराया और सड़कों पर चारों तरफ सन्नाटा ही नजर आया।

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, आसमान साफ रहेगा, लेकिन 20 से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने के आसार हैं। इससे दिन और रात के पारे में दो से तीन डिग्री तक की गिरावट आ सकती है। ये राहत अस्थायी होगी और आने वाले समय में पारा तेजी से चढ़ेगा। आठ अप्रैल के आसपास फिर 40 डिग्री तक पहुंचने के आसार हैं। तेज हवा से दो-तीन दिन पारे में गिरावट से राहत मिल सकती है। मार्च का अंतिम दिन भी प्रदेश में गर्म हवा के थपेड़ों का अहसास कराते हुए बीता। पारा लगातार सामान्य से ऊपर बना हुआ है। दिन के साथ ही रात के तापमान में भी बढ़ोतरी जारी है। हालांकि मौसम विभाग अगले दो-तीन दिन पारे में कुछ गिरावट के आसार जता रहा है। लेकिन ये राहत अस्थायी होगी। सोमवार को प्रदेश में 25 से 35 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के आसार जताए जा रहे हैं।

फोटो :4 पीएम

जुलूस पुराने लखनऊ के सहादतगंज स्थित नजफ़ से 21वीं रमजान को निकाला गया ताबूत का जुलूस।

ट्रक और टैंपो की टक्कर में दो की मौत, दस घायल

» लखनऊ में दर्दनाक हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में सोमवार सुबह 6 बजे एसजीपीजीआई के गेट पर विक्रम टैंपो को रायबरेली की तरफ से आ रहे कंटेनर ट्रक ने जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी तेज थी कि दो लोगों की मौके पर मौत हो गई। मरने वाले दोनों व्यक्ति टैंपो में सवार थे। इस घटना में 10 लोग घायल हो गए। सभी का इलाज ट्रामा सेंटर में चल रहा है। विक्रम टैंपो जो तेलीबाग की तरफ से आ रहा था। वह मेन रोड से अस्पताल गेट की ओर मुड़ा तभी रायबरेली की तरफ से एक कंटेनर ट्रक जो की काफी स्पीड में था मुड़ते ही विक्रम टैंपो में जोरदार टक्कर मारी।

टक्कर मारने के बाद कंटेनर ट्रक भाग निकला जिसे पीछा करके उतरेठिया चौराहे के पास रोक लिया गया। विक्रम टैंपों में 10 लोग सवार थे। टक्कर के बाद चीख पुकार मच गई घायलों को तत्काल एपेक्स ट्रामा सेंटर ले जाया गया जहां उनका इलाज शुरू हुआ। जिसमें ऋतुराज चौधरी उम्र 62 वर्ष और कृष्णा प्रसाद गुप्ता 26 वर्ष मोतीहारी बिहार निवासी की मौत हो गई। घटना में घायल हुए लोगों नधुनी राम ,राजकुमारी पसामू, वंश गोपाल, शिव प्रकाश सिंह, ओम प्रकाश यादव, प्रीतम सिंह यादव, मनोज कुमार, अंजलि, आलोक कुमार और नित्यानंद का इलाज चल रहा है।

बाइक सवार भाई-बहन की भी गई जान

लखनऊ के बख्शी का तालाब क्षेत्र में हरदौरपुर गांव के पास रविवार शाम सात बजे तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार बहन-भाई को टक्क र मार दी। हादसे में दोनों की मौत हो गई। बीकेटी के प्रभारी निरीक्षक राणा राजेश कुमार सिंह ने बताया कि रैथा बीरमपुर गांव निवासी 21 वर्षीय अमित कश्यप रविवार को 19 वर्षीय बहन सीमा कश्यप के साथ शिवपुरी गांव से थ्रेसर से सरसों की फसल काटने गए थे। देर शाम भाई-बहन बाइक से घर लौट रहे थे। हरदौरपुर गांव के पास आउटर रिंग रोड पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने अमित की बाइक में टक्कर मार दी। इससे भाई-बहन सड़क पर गिर गए। सीमा ट्रैक्टर से कुचल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सीमा और अमित को सौ बेड के अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टर ने सीमा को मृत घोषित कर दिया।

इस वर्ष नगर निगम के खजाने में हुई धनवर्षा

» हाउस टैक्स से 425 करोड़ रुपये आए

» जोन चार और जोन 8 से हुई सबसे ज्यादा वसूली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मार्च के आखिरी दिन नगर निगम का खजाना खूब भरा। अंतिम दिन लगभग 15 करोड़ रुपये खाते में है। इस वर्ष नगर-निगम ने हाउस टैक्स से 425 करोड़ रुपए वसूले गए। जोन चार और जोन 8 से हुई सबसे ज्यादा वसूली हुई। वही ज्यादा वसूली करने वाले इंस्पेक्टर सम्मानित होंगे।

हाउस टैक्स वसूली के मामले में नगर निगम लखनऊ ने 400 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। वित्तीय वर्ष मे नगर निगम की टीम ने 425 करोड़ 47 लाख 81 हजार 809 रुपए की वसूली की है। 92 करोड़ रुपए से ज्यादा की वसूली कर कर नगर निगम जोन चार पहले स्थान पर रहा। जबकि 88 करोड़ रुपए के साथ जोन - 8 दूसरे नंबर पर रहा। दोनों ही जोन को जोड़कर 180 करोड़ रुपए की वसूली हुई है। दो ही जोन ऐसे रहे जहां से 50 फीसदी से ज्यादा वसूली हुई। इसमें जोन चार से 65 फीसदी जबकि जोन आठ से 51 फीसदी की वसूली हुई है। कम वसूली के मामले में जोन दो का नंबर रहा। ऐशबाग और राजाजीपुरम जैसे इलाके इसमें यहां से आते है। जोन दो से सबसे कम 15 करोड़ 85 लाख रुपए की वसूली हुई है। इसके बाद कम वसूली के मामले में जोन 5 का नंबर रहा। यहां से 20 करोड़ 80 लाख रुपए की वसूली हुई है। इस दौरान करीब 38 करोड़ रुपए ब्याज के तौर पर नगर निगम को मिले हैं। अब 31 मार्च के बाद पुराना हाउस टैक्स जमा करने वाले लोगों को 12 फीसदी का ब्याज देना होगा।

अपर नगर आयुक्तों को दी गई जिम्मेदारी

हाउस टैक्स वसूली के लिए सभी अपर नगर आयुक्तों को जिम्मेदारी दी गई थी। इस दौरान उनको दो - दो जोन दिया गया था। इस मामले में अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के नेतृत्व में जोन - 4 का पहला स्थान रहा। जबकि अपर नगर आयुक्त डॉक्टर एके राव के जोन 8 और जोन 6 से भी अच्छी वसूली हुई है। दोनों ही अपर के जोन के कर्मचारियों ने केक काट जश्न मनाया। जोन चार में केक रात 12 बजे के बाद काटा गया। इस दौरान आरआई इमरान, उबैदुर रहमान, आशीष कुशवाहा, शालिनी त्रिपाठी, नुपुर यादव, कर अधीक्षक अनुराग उपाध्याय, विजय शंकर,गुरु सिंह, अखिलेश सिंह, गौरव शर्मा, शैलेन्द्र सक्सेना, ओमकार राजभर, हिमांशु श्रीवास्तव समेत कई लोग मौजूद रहे। इसके अलावा जोन 8 में जोनल अधिकारी अजीत राय और डीएस दुबे के नेतृत्व में केक काटा गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।